Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to rehabilitable and provide land as compensation who lost their lives/land in floods and ensure embankment on Mahananda river.

डॉ. मोहम्मद जावेद (किशनगंज): सभापति महोदय, पिछले आठ-दस सालों में, खास तौर पर मानसून के वक्त पर, सैकड़ों गांव हमारे इलाके से कट जाते हैं और हजारों एकड़ इरोजन में खत्म हो जाते हैं । पिछली बार भी मैंने कहा था और आवेदन दिया था कि कुछ गांव हैं – मुसलदांगी, महेस, भतना, निसंधरा, इस्लामपुर, मटियारी, ग्वालटोली, दलेगांव, तेलीबीटा, बोलमारा, बगलबाड़ी, मझोक, बेलुआ, सारकी, टेंगरमारी, सिरसी, महीनगांव, चुनीमारी, मिचानटोली, सीमलबाड़ी, नेगरटोली, गरिया, जोअर । सर, इन गांवों के अलावा भी कई गांव हैं, सबका नाम लेना उचित नहीं होगा । हमारे यहां मुख्तर, महानंदा, मेची, डोंक, रतुआ, परमान, कनकई, सुधानी, रमजान के अलावा भी कुछ नदिया हैं, जिनकी वजह से बरसात में काफी तकलीफ होती है । आपके माध्यम से मेरा आग्रह होगा कि जिनके घरबार का नुकसान हो जाता है, उनको रीहैबिलिटेट किया जाए । जिनकी जमीन का नुकसान हो जाता है, सरकारी जमीन उपलब्ध कराई जाए । आखिर में, महानंदा बेसिन प्रोजेक्ट में इतनी राशि दी जाए कि अगले दो-तीन सालों में इन सभी नदियों पर एम्बैंकमेन्ट हो, ताकि तबाही रुक सके ।